INNOVARE JOURNAL OF EDUCATION

Vol 3. Issue 2 . 2015 ISSN: 2347-5528

Research Article

A STUDY OF STUDENT,S PROBLEMS OF PRIMARY SCHOOLS IN RURAL AREAS OF MANDSAUR DISTRICT.

JAYDEEP MAHAR

Lect. Saraswati College Of Education Mandsaur M.P. 458001 . Email:- jaydeep.panthi@gmail.com

Received:13 February 2015, Revised and Accepted:1 March 2015

ABSTRACT

प्रस्तुत शोंध में प्रश्नावली का प्रयोग शिक्षकों से उनकी समस्या को जानने का प्रयास किया गया है। प्रश्नावली मे कुल 64 प्रश्नों का समावेश किया गया है जिनकें उत्तर आपको स्वविवेकानुसार देना है।

प्राथमिक शिक्षा का शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान है और इस समय ग्रामीण क्षेत्र की प्राथमिक शालाए किस प्रकार की समस्याओं से जुझ रही है यह आपसे छूपा नही है। मैनें ''मन्दसौर जिलें के ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय प्राथमिक शालाओं की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन'' नामक शोध का चयन किया है। जिससे इस सम्बन्द्ध में सही व विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त कर समस्याओं की जड़ तक पहुँचा जा सके और समस्याओं के निदान हेतु कुछ प्रयास किये जा सके।

Keywords: ग्रामीण क्षेत्र की प्राथमिक शालाओं के कक्षा 5 वीं के छात्र ।

प्रतावना –

इस शोध में प्राथमिक शालाओं के छात्रों की समस्याओं का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध में मध्यप्रदेश के मन्दसौर जिले के ग्रामीण प्राथमिक शालाओं के छात्रों की समस्याओं का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

इस शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु छात्रों हेतु प्रश्नावली प्रस्तुत की जा रही है। शोध विषय की विश्वसनीयता एवं उपयोगिता आपके द्वारा दी गई जानकारी पर निर्भर है। अतः आपसे निवेदन है कि अपने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विचार व्यक्त करने की कृपा करें। आपके विचार निश्चित रूप से शोध में सहायक होने के साथ–साथ शिक्षा में सुधार हेतु किये जा रहे प्रयासों में भी सहायक होंगे। आशा हैं आप इस कार्य में सहयोग प्रदान करेगें।

विधि –

शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया जिसके अर्न्तगत मन्दसौर जिले की 30 ग्रामीण शालाओं के छात्रों का सर्वेक्षण किया गया।

न्यादर्श–

शिक्षा के क्षैत्र में शोध अध्ययनों की कमी को देखते हुए प्रस्तुत शोध में मध्य प्रदेश के मन्दसौर जिले को चुना गया है। इस हेतु मन्दसौर जिले के ग्रामीण शासकीय प्राथमीक शालाओं के छात्रों को न्यादर्श मे सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्श की संख्या

कमांक		प्रत्येक विद्यालय में न्यादर्श	कुल विद्यालय में न्यादर्श	कुल संख्या
1	छात्र	10	30×10	300
		योग 300		

इस प्रकार न्यादर्श में प्रत्येक 30 ग्रामीण प्राथमीक विधलया को लिया गया है और प्रत्येक विधयालय के 10–10 छात्रों को लिया गया है।

वैधता –

शोध अध्ययन में समस्या से संबंधित तथ्यों व सुचनाओं को एकत्रित करते हेतू उपकरणों का निर्माण शोधार्थी द्वारा विशेषज्ञो की राय से किया गया है, यह विषय वस्तु के आधार पर वैध है।

प्रकिया –

प्रस्तुत शोध में प्रश्नावली का प्रयोग छात्रों से जानकारी प्राप्त करने हेतू किया गया। प्रश्नावली में कुल 64 प्रश्नों का समावेश किया गया जिनकें उत्तर आपको स्वविवेकानुसार देना है।

प्रश्नावली में शाला का समय, शिक्षकों का समय, शिक्षको का बच्चो के प्रति व्यवहार, अभिभावको। व शिक्षको का समन्वय, मध्याह्न भोजन , शाला गणवेश , अभिभावको का शाला व शिक्षको के प्रति दृष्टिकोण आदि संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया है।

कक्षा 5 वीं के छात्रों हेतु अनुसूची

छात्र का नाम–

कक्षा–

शाला का नाम–

विकासखण्ड का नाम–

जिला–

निर्देश

नीचे कुछ वाक्य दिये गये है आप जिस वाक्य से सहमत है उस वाक्य के सामने हॉ पर (√) का निशान लगाइये तथा जिस वाक्य से असहमत है तो उस वाक्य के सामने नही पर (√) का निशान लगाइये।

कक्षा 5 वीं के छात्रों हेतु अनुसूची

अनुसूची

प्र. कं.	**अनुसूची के कथन**	**प्रश्नों के उत्तर**
		हॉ नही
1	आपकी शाला घर से दूर है ।	
2	आपके शाला का रास्ता सही है।	
3	आपके शाला का रास्ता सुरक्षित है।	
4	आपको शाला पैदल जाना पडता है।	
5	शाला जाने हेतु वाहन खर्च होता है।	
6	शाला जाते समय रास्ते में परेशानियां आती है।	
7	शाला मुख्य सडक के पास है।	
8	शाला जाते समय रेल की पटरी भी पार करनी पडती है।	
9	वर्षा ऋतु के दौरान आपके शाला का मार्ग अवरूद्ध हो जाता है।	
10	शाला वाहन से जाते है।	
11	आपकी शाला में अलग अलग कक्षा कक्ष है।	
12	आपकी शाला आकर्षण एवं सुन्दर है।	
13	आपकी शाला में पुस्तकालय है।	
14	पुस्तकालय में पर्याप्त पुस्तके पढने के लिए है।	
15	आपको किताबे पढना अच्छा लगता है।	
16	आपको पढने हेतु पुस्तके दी जाती है।	
17	आपकी शाला में पानी की उचित व्यवस्था है।	
18	आपकी शाला में खेलने के लिए मैदान है।	
19	आपकी शाला में शौचालय की उचित व्यवस्था है।	
20	आपकी शाला में फर्नीचर सुविधाजनक है।	
21	आपको हिन्दी पढाने वाले शिक्षक है।	
22	आपको गणित विषय पढाने वाले ही हिन्दी पढाते है।	
23	आपको सामाजिक विषय पढाने वाले अलग से शिक्षक है।	
24	आपको आपके शाला के शिक्षक अच्छे लगते है।	
25	आपको शिक्षक नई नई चीजें बनाना सीखाते है।	
26	शिक्षक आपको कभी बाहर घुमाने के लिए ले जाते है।	
27	पढाई नही करने पर शिक्षक आपको मारते है।	
28	शिक्षक पढाते समय कहानी सुनाते है।	
29	आपको शिक्षक से कुछ पुछने पर डर लगता है।	
30	शिक्षक मासिक टेस्ट लेते है।	
31	आपको शिक्षक पढाते समय श्यामपट्ट (बोर्ड) पर लिखते है।	
32	आपको विज्ञान पढाने वाले अलग–अलग शिक्षक है।	
33	आपके शाला लगने का समय उचित है।	
34	आपके शिक्षक समय पर आ जाते है।	
35	आपकी शाला समय पर लगती है।	
36	आपक शाला में समय–समय पर अभिभावक–शिक्षक संघ की बैठक होती है।	

37 आपके शिक्षक शाला से जल्दी चले जाते है।

38 आपका शिक्षण कार्य समय पर हो जाता है।

39 आपके शिक्षक समय पर कक्षा में आ जाते है।

40 क्या आपके अभिभावक समय पर आपको शाला भेजते है?

41 आपके अभिभावक घर पर आपका गृह कार्य देखते है।

42 आपके अभिभावक शाला जाने से मना करते है।

43 आपके शाला जाकर आपके शिक्षक से मिलते है।

44 आपके अभिभावक आपको घर पर पढाते है।

45 आपके अभिभावक का आपके प्रति व्यवहार अच्छा है।

46 आपके माता–पिता आपसे घर का काम भी करवाते है।

47 आपके अभिभावक शाला जाने के लिए प्रोत्साहित करते है।

48 आपकी शाला में उत्सव मनाते है।

49 आपकी शाला में जयंतिया मनाई जाती है।

50 आपके शिक्षक खेलकूद करवाते है।

51 आपकी शाला में वार्षिक उत्सव होता है।

52 आपकी शाला में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है।

53 शैक्षिक गतिविधि के दौरान आपको विद्यालय के बाहर ले जाते है।

54 खेलकूद के दौरान आपके शिक्षक आपके साथ रहते है।

55 आपकी शाला में भोजन समय पर मिलता है।

56 आपकी शाला में मिलने वाला भोजन ताजा होता है।

57 क्या शाला में मिलने वाला भोजन आपको अच्छा लगता है?

58 रोज भोजन एक जैसा बनता है।

59 आपकी शाला में भोजन पौष्टिक होता है।

60 आपको भोजन साफ–सुथरे बर्तन में करवाते है।

61 आपके शिक्षक भी आपके साथ भोजन करते है।

62 भोजन के बाद आपकी थाली आप स्वयं धोते है।

63 आपको भोजन केवल एक बार ही परोसा जाता है।

64 भोजन के दौरान पानी व्यवस्था रहती है।

छात्रों की समस्याओं के अध्ययन से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण

क्रं0	विषय वस्तु	आवृत्ति (300)		प्रतिशत में :	
		हॉ	नही	हॉ	नही
1	शाला घर से दूर है।	137	163	45ण्66	54ण्4
2	शाला का रास्ता सही नही है।	254	046	84ण्6	15ण्4
3	शाला का रास्ता सुरक्षित है।	252	048	084	016
4	शाला पैदल जाना पड़ता है।	284	016	94ण्6	05ण्4
5	शाला हेतु वाहन खर्च होता हैं।	015	285	005	095
6	रास्ते में परेशानियॉ आती है।	074	226	24ण्6	75ण्4
7	शाला मुख्य सड़क के पास है।	157	143	52ण्3	47ण्7
8	पटरी पार करनी पढ़ती है।	000	300	000	100
9	वर्ष ऋतु में मार्ग अवरूद्व हो जाता है।	187	113	62ण्3	37ण्7
10	शाला वाहन से जाते हैं।	007	293	2ण्3	97ण्7

11	शाला में अलग से कक्ष	108	192	036	064
12	शाला आकर्षण एवं सुन्दर	187	113	62.3	37.7
13	शाला में पुस्तकालय	092	208	30.6	69.4
14	पुस्तकालय में पढ़ने हेतु पुस्तके	215	085	71.6	28.4
15	किताब पढ़ना अच्छा लगता	297	003	099	001
16	पढ़ने हेतु पुस्तकें दी जाती	214	086	71.3	28.7
17	शाला में पानी की उचित व्यवस्था	288	012	096	004
18	शाला में खेलने के लिये मैदान	297	003	099	001
19	शाला में शौचालय की उचित व्यवस्था	169	131	56.3	43.7
20	शाला में फर्नीचर सुविधा जनक	061	239	20.3	79.7
21	हिन्दी पढ़ाने वाले शिक्षक	300	000	100	000
22	गणित विषय वाले शिक्षक हिन्दी पढ़ाते है	277	023	092.	07.7
23	सामाजिक विषय के अलग से शिक्षक	043	257	14.3	85.7
24	शिक्षक अच्छें लगते है।	280	020	93.3	06.7
25	शिक्षक नई–नई चीजें सीखाते है।	155	145	51.6	48.4
26	शिक्षक बाहर घूमाने ले जाते है।	055	245	18.3	81.7
27	शिक्षक मारते है।	040	260	13.3	86.7
28	शिक्षक पढाते समय कहानी सूनाते है।	123	177	041	059
29	शिक्षक से कुछ पूछने पर डर लगता है।	133	167	44.3	55.7
30	मासिक टेस्ट होते है।	235	065	78.3	21.7
31	शिक्षक पढाते समय श्याम पटट पर लिखते है।	298	002	99.3	00.7
32	विज्ञान पढाने वाले शिक्षक अलग है।	030	270	010	090
33	शाला लगने का समय	300	000	100	000
34	शिक्षक समय पर आ जाते है।	300	000	100	000
35	शाला समय पर लगती है।	299	001	99.6	0.4
36	अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक	237	063	079	021
37	शिक्षक जल्दी चले जाते है।	33	267	011	089
38	शिक्षण कार्य समय पर	272	88	90.6	09.4
39	शिक्षक समय पर कक्षा में आते है।	297	003	099	001
40	अभिभावक समय पर शाला भेजते है।	234	066	078	022
41	अभिभावक गृह कार्य देखते है।	055	245	18.3	87.7
42	शाला जाने से मना करते है।	041	259	13.6	86.4
43	शाला जाकर शिक्षक से मिलते है।	156	144	052	048
44	घर पर पढ़ाते है।	064	236	21.3	78.7
45	आपके प्रति व्यवहार	159	041	053	047
46	घर का काम करवाते है।	209	091	96.6	03.4
47	शाला जाने के लिए प्रोत्साहित	152	148	50.6	49.4
48	उत्सव मनाते है।	213	087	071	029
49	जयंतिया मनाई जाती है।	226	074	75.3	24.7

50	खेलकूद करवाते है।	258	042	086	014
51	वार्षिक उत्सव होता है।	050	250	60.4	39.4
52	प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है।	186	144	062	038
53	विद्यालय के बाहर ले जाते है।	143	157	18.3	81.7
54	खेलकूद के समय शिक्षक साथ रहते है।	181	019	60.3	39.7
55	भोजन समय पर मिलता है।	295	005	98.3	01.7
56	भोजन ताजा होता है।	295	005	98.3	01.7
57	भोजन कैसा लगता है।	282	018	094	006
58	रोज भोजन एक सा होता हैं।	014	286	04.6	95.4
59	शाला में पौष्टिक भोजन	267	033	089	011
60	भोजन साफ–सुथरे बर्तन में	268	032	89.3	10.7
61	शिक्षक भी साथ भोजन करते	067	233	22.3	77.7
62	थाली आप स्वयं धोते हैं।	199	101	66.3	33.7
63	भोजन केवल एक बार परोसा जाता है।	040	260	13.3	86.7
64	शाला में पानी की व्यवस्था हैं।	295	005	98.3	01.7

विश्लेषण

- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 45.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला उनके घर से दूर है, लेकिन 54.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला उनके घर से अधिक दूर नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 84.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके घर से उनकी शाला तक का रास्ता सही है, लेकिन 15.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला तक का रास्ता सही नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 84 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके घर से उनकी शाला के बीच का रास्ता सुरक्षित है। लेकिन 16 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला के बीच का रास्ता सुरक्षित नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 94.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला उनके घर से अधिक दूर नही होने के कारण वे पैदल ही शाला चले जाते है। लेकिन 5.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला कुछ दूरी पर है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 5 प्रतिशत छात्रों के अनुसार वे स्वयं के वाहन से जाते है, इसलिए उनका वाहन खर्च होता है। लेकिन 95 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला अधिक दूरी पर नही है, इसलिए वे पैदल जाते है, इसलिए उनका वाहन खर्च नही होता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 24.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें शाला जाते समय रास्ते में परेशानियां आती है, लेकिन 75.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें शाला जाते समय रास्ते में किसी प्रकार की कोई परेशानियां नही आती है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 53.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी मुख्य सड़क के पास है। लेकिन 47.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला मुख्य सड़क के पास नही है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 100 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उन्हें शाला जाते समय रेल की पटरी पार नही करनी पड़ती है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 62.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार वर्षा ऋतु के दौरान उनकी शाला का मार्ग अवरूद्व हो जाता हैं। लेकिन 37.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला का मार्ग वर्षा ऋतु में भी अवरूद्व नही हो पाता है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 2.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला उनके घर से दूर होने के कारण उन्हें उनके अभिभावक स्वयं के वाहन से छोडते है, लेकिन अधिकांश 97.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला उनके गांव में ही अधिक दूरी पर नही है इसलिए वे स्वंय या अभिभावकों के साथ पैदल चले जाते है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 36 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में अलग–अलग कक्षा हेतु अलग–अलग कक्ष है, लेकिन 64 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला में सभी कक्षाओं हेतु अलग–अलग कक्ष नही पाये गये।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 62.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला आकर्षण एवं सुन्दर है, लेकिन 37.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला आकर्षण एवं सुन्दर नही पाई गई।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 30.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला में पुस्तक पढने हेतु अलग से कक्ष है, लेकिन 69.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला में पुस्तके पढने हेतु अलग से कक्ष नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 71.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पढ़ने हेतु पर्याप्त पुस्तके है, लेकिन 28.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पुस्तके तो है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में नही थी।

- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 99 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उन्हें पुस्तके पढ़ना अच्छा लगता है, लेकिन केवल 01 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें पुस्तके पढ़ना अच्छा नही लगता उनकी रूचि खेलों में अधिक पाई गई।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 71.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनको उनकी शालाओं में पढ़ने हेतु पुस्तके दी जाती है, लेकिन 28.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में छात्रों की संख्या अधिक होने के कारण पुस्तके उन सभी को एक साथ नही मिल पाती है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 96 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पानी की उचित व्यवस्था है, लेकिन केवल 04 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला में पानी की उचित व्यवस्था नही पाई गई बच्चों को स्वंय हेंडपम्प पर जाकर पानी पीना पढ़ता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 99 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में खेलने के लिए पर्याप्त मैदान है, लेकिन केवल 01 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में खेल के लिए मैदान तो है, लेकिन पर्याप्त नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 56.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शौचालय की उचित व्यवस्था है, लेकिन 43.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शौचालय तो है, लेकिन वे टूट – फूट रहें है, और चारों और से गंदगी फैली है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 20.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में केवल प्राथमिक कक्षा (5वीं) कक्षा हेतु फर्नीचर सुविधा है, लेकिन 79.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में फर्नीचर सुविधा नही है, वे दरी या टाटपट्टी पर ही बैठते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 100 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला में हिन्दी पढाने वाले शिक्षक उनकी शालाओं में हैं
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 92.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे गणित विषय पढ़ाने वाले शिक्षक ही हिन्दी विषय भी पढाते है। केवल 7.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में गणित विषय पढाने वाले शिक्षक हिन्दी नही पढाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 14.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे सामाजिक विषय पढ़ाने वाले शिक्षक अलग से है। 85.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में सामाजिक विषय पढाने वाले शिक्षक अलग से नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 93.3 छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक अच्छे लगते है, लेकिन केवल 6.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें उनकी शालाओं क कुछ शिक्षक अच्छें नही लगते हैं।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 51.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में उनके शिक्षक शिक्षिकाऐं नई–नई चीजें बनाना सिखाते है। लेकिन 48. 4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक शिक्षिकाएं नई–नई चीजें बनाना नही सिखाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि केवल 18.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक उनकों वर्ष में एक बार आसपास ही शैक्षिक भ्रमण हेतु ले जाते है, लेकिन 81.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक उन्हें बाहर शैक्षिक भम्रण (घूमाने) नही ले जा पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 13.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार पढाई नही करते पर शिक्षक उन्हें मारते नही, लेकिन डाटते है, लेकिन 86.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार वे समय पर पढाई करते है, इसलिए उन्हें डाट नही पडती है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 41 प्रतिशत छात्रों की राय क अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक पढाते समय कहानी भी सुनाते है, लेकिन 59 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक पढाते समय कहानी नही सुनाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 44.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उन्हें शिक्षिकों से कुछ पूछने पर डर लगता है, लेकिन 55.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उन्हें शिक्षकों से कुछ पूछने पर डर नही लगता है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 78.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षकों द्वारा समय–समय पर मासिक टेस्ट लिये जाते है, लेकिन 21.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक मासिक टेस्ट प्रति मासिक नही ले पाते है, क्यों कि उन्हें अन्य कार्यो हेतु बाहर जाना पढता है, जैसे– चुनाव में या अन्य कार्यो में।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि अधिकांश 99.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक पढाते समय श्यामपट्ट (बोर्ड) पर लिखते है। केवल .7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार ही उनके शिक्षक पढाते समय श्यामपट्ट (बोर्ड) पर नही लिख पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 10 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे विज्ञान विषय पढ़ाने वाले शिक्षक अलग से है। लेकिन 90 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में विज्ञान विषय पढाने वाले शिक्षक अलग से नही है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 100 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला लगने का समय उचित है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 100 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला के शिक्षक शाला में समय पर आ जाते है।
- सारणी के विश्लेषण से प्राप्त विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 99.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला समय पर लगती है, लेकिन केवल 0.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला कभी–कभी कुछ कारणों से समय पर नही लग पाती है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 79 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में समय–समय पर अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक होती हैं, लेकिन केवल 21 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में अभिभावक–शिक्षक संघ की बैठक समय पर नही होती है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि केवल 11 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक शाला से जल्दी चले जाते है, लेकिन 89 प्रतिशत छात्रों की

राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक शाला से समय पर ही जाते है।

- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 90.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षण कार्य समय पर पूरा हो जाता है, लेकिन 9.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षण कार्य समय पर पूर्ण नही हो पाता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 99 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक कक्षा में समय पर आ जाते है, लिकिन 01 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक समय पर कक्षा में नही आ पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 78 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक उन्हें समय पर शाला भेजते है। लेकिन 22 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक गृह कार्यो के कारण शाला समय पर नही भेज पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 18.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके अभिभावक शाला से दिया गया गृह कार्य देखते है, लेकिन 87.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके अभिभावक उनका गृह कार्य नही देख पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 13.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक उन्हें शाला जाने से मना करते है, लेकिन 86.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक शाला जाने से मना नही करते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 52 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके अभिभावक आवश्यकता पढ़ने पर वे शिक्षकों से मिलते है। लेकिन 48 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके अभिभावक शिक्षकों से नही मिल पाते है।
- सारणी क विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 21.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक उनकों घर पर पढाते है, लेकिन 78.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक उन्हें घर पर नही पढ़ा पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 53 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावको का उनके प्रति व्यवहार अच्छा रखते है, लेकिन 47 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक उन्हें समय नही दे पाते है, इसलिए छात्रों के अनुसार उनके अभिभावकों का व्यवहार अच्छा नही मानते हैं।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 96.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उन्हें पढ़ाई के साथ– साथ घर का कार्य भी करना पढ़ता है, लेकिन 3.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार वे घर के कार्य नही करते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 50.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक उन्हें शाला जाने के लिए प्रोत्साहित करते है। लेकिन 49.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके अभिभावक शाला जाने हेतु प्रोत्साहित नही करते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 71 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे उत्सव मनाते है। लेकिन 29 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में उत्सव प्रतिवर्ष नही मनाया जाता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि 75.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में सभी जयंतिया मनाई जाती है, लेकिन 24.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में सभी जयंतिया नही मनाई जाती है।
- सारणी से प्राप्त विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 86 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक खेलकूद करवाते है, लेकिन केवल 14 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक खेलकूद नही करवाते है।
- साारणी से प्राप्त विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 60.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में वार्षिक उत्सव मनाते है, लेकिन 39.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में वार्षिक उत्सव नही मना पाते है। क्यो कि बच्चों की संख्या कम होने के कारण एवं बच्चें छोटे होने के कारण वार्षिक उत्सव नही मना पाते है।
- सारणी से प्राप्त विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि 62 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में समय–समय पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है, लेकिन 38 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित नही करवा पाते है।
- सारणी से प्राप्त विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि केवल 18.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार ही उनकी शालाओं के शिक्षक शैक्षिक गतिविधि के दौरान उन्हें विद्यालय के बाहर ले जाते है, लेकिन 81.7 प्रतिशत दात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला के शिक्षक रूौक्षिक गतिविधि के दौरान शाला के बाहर नही ले जाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 60.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में खेलकूद के दौरान उनके शिक्षक उनके साथ रहते है, लेकिन 39.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे खेलकूद के दौरान उनके शिक्षक साथ में नही रह पाते है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 98.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला मे भोजन समय पर मिलता है, लेकिन 01.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन समय पर नही मिलता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 98.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन ताजा होता है, लेकिन 01.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन कभी–कभी ताजा नही मिलता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 094 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन उन्हें अच्छा लगता है,लेकिन 006 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन उन्हें अच्छा नही लगता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 04.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन रोज एक जैसा बनता है, लेकिन 95.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन एक जैसा नही बनता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 89 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन पौष्टिक होता है, लेकिन केवल 11 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन पौष्टिक नही होता है।

- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 89.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मध्यान्ह भोजन साफ–सुथरे बर्तन में करवाते हैं। लेकिन 10.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मध्यान्ह भोजन स्वयं को एक बार और बर्तन धोकर करना पढ़ता हैं।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 22.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक कभी–कभी उनके साथ भोजन करते हैं। लेकीन 77.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक उनके साथ भोजन नही करते हैं।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 66.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं भोजन के बाद उनकी थाली वे स्वयं धोते हैं। लेकिन 33.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं भोजन के बाद उनकी थाली वे स्वयं नही धोते हैं।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 13.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में मध्यान्ह भोजन केवल एक बार परोसा जाता है, लेकिन 86.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में मध्यान्ह भोजन एक से अधिक बार परोसा जाता है।
- सारणी के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 98.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पानी की उचित व्यवस्था है, लेकिन 1.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पानी की उचित व्यवस्था नही है।

छात्रों की समस्याओं के अध्ययन से प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषणों का निष्कर्ष

- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 45.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला उनके घर से दूर है, लेकिन 54.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला उनके घर से दूर नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 84.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला तक का रास्ता सही है, लेकिन 15.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला तक का रास्ता सही नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 84 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला तक का रास्ता सुरक्षित है, लेकिन 16 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला के बीच तक का रास्ता सुरक्षित नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 94.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला अधिक दूरी पर नही है, लेकिन 5.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनके घर से उनकी शाला कुछ दूरी पर है लेकिन उन्हें भी पैदल जाना पढ़ता है।
- इस विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि 5 प्रतिशत छात्रों का वाहन खर्च होता है, लेकिन 95 प्रतिशत छात्रों की शाला अधिक दूरी पर नही होने के कारण उनका वाहन खर्च नही होता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि अधिकांश छात्रों 75.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें शाला जाते समय रास्ते में किसी प्रकार की कोई परेशानी नही आती है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि अधिकांश छात्रों 52.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी मुख्य सड़क के पास है, लेकिन 47.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला मुख्य सड़क के पास नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि 100 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें शाला जाते समय कोई भी रेल पटरी पार नही करनी है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि 62.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार वर्षा ऋतु के दौरान उनकी शाला का मार्ग अवरूद्व हो जाता हैं, लेकिन 37.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला का मार्ग वर्षा ऋतु में भी अवरूद्व नही हो पाता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि अधिकांश 97.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला उनके गांव में ही है और अधिक दूरी पर नही है, इसलिए वे स्वंय पैदल ही चले जाते है। लेकिन 2.3 प्रतिशत छात्रों के घर दूर है इसलिए उनके अभिभावक स्वयं के वाहन से छोडते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 36 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में सभी कक्षा कक्ष अलग–अलग है, लेकिन 64 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में सभी कक्षाओं हेतु कक्षा कक्ष अलग–अलग नही पाये गये।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 62.3 प्रतिशत या अधिकांश छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाएँ आकर्षण एवं सुन्दर थी, लेकिन केवल 37.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाएँ आकर्षण एवं सुन्दर नही थी।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 30.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला में पुस्तकें पढ़ने हेतु अलग से कक्ष है, लेकिन 69.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में पुस्तके पढ़ने हेतु अलग से कोई कक्ष नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 71.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में पढ़ने हेतु पुस्तके पर्याप्त थी, लेकिन केवल 28.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पर्याप्त पुस्तके नही थी।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 99 प्रतिशत छात्रों की राय अनुसार उन्हें पुस्तकें पडना अच्छा लगता है, लेकिन केवल 01 प्रतिशत ही ऐसे छात्र है, जिन्हें पुस्तकें पढ़ने में रूचि नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि अधिकांश 71.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनको उनकी शालाओं में पढ़ने हेतु पुस्तके दी जाती है, लेकिन केवल 28.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में छात्रों की संख्या अधिक होने से पुस्तके सभी छात्रों को एक साथ नही मिल पाती है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अधिकांश 96 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में उचित व्यवस्था थी, केवल 04 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पानी की उचित व्यवस्था नही थी।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 99 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में खेलने के

लिए मैदान पर्याप्त है, लेकिन 01 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में खेलने के लिए मैदान छोटा है।

- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 56.3 प्रतिशत की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शौचालय की उचित व्यवस्था है, लेकिन 43.7 छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शौचालय तो है, लेकिन टूट – फुट रहें है, चारों और गंदगी फैली है।
- इस विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, कि केवल 20.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में फर्नीचर सुविधा है, लेकिन 79.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में फर्नीचर सुविधा नही है, वे दरी या टाटपट्टी पर ही बैठते हैं।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि शत प्रतिशत (100 प्रतिशत) छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में हिन्दी पढ़ाने वाले शिक्षक है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 92.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में गणित विषय पढ़ाने वाले शिक्षक ही हिन्दी पढाते है, लेकिन केवल 7.7 प्रतिशत ही छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में गणित वाले शिक्षक हिन्दी नही पढाते है।
- इस विश्लेषण से निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अधिकांश 93.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक अच्छें लगते है, लेकिन केवल 6.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें उनकी शालाओं के कुछ शिक्षक अच्छे नही लगते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है 51.6 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक शिक्षिकाएं नई–नई चीजें बनाना सिखाते है, लेकिन 48.4 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक शिक्षिकाएं नई–नई चीजें बनाना नही सिखाते हैं।
- इस विश्लेषण से ये निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि केवल 18.3 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक उन्हें शैक्षिक भम्रण (घूमाने) के लिए ले जाते है। लेकिन 81.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शाला के शिक्षक उन्हें शैक्षिक भम्रण (घूमाने) नही ले जाते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, 13.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार पढाई नही करने पर उनके शिक्षक डाटते है, लेकिन 86.7 प्रतिशत छात्र पढाई करते है, इसलिए शिक्षक उन्हें डाटते या मारते नही है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि केवल 41 प्रतिशत छात्रों के राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक पढाते समय कहानी भी सुनाते है, लेकिन 59 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक पढाते समय कहानी नही सुनाते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 55.7 प्रतिशत छात्रों को शिक्षकों से कुछ पूछने पर डर नही लगता है, केवल 44.3 प्रतिशत छात्रों को ही शिक्षक से कुछ पूछने पर डर लगता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 78.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षकों द्वारा समय–समय पर मासिक टेस्ट लिये जाते है, लेकिन केवल 21.7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार शिक्षकों के पास और अन्य कार्य होने के कारण वे समय पर मासिक टेस्ट नही ले पाते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 99.3 प्रतिशत छात्रों की राय क`अनुसार उनकी शालाओं मे शिक्षक पढाते समय श्यामपट्ट (बोर्ड) का उपयोग करते है। केवल .7 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षक पढाते समय श्यामपट्ट (बोर्ड) का उपयोग कभी–कभी नही करते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 100 प्रतिशत छात्रों की राय क अनुसार उनकी शाला का समय उचित है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 100 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक शाला में समय पर आ जाते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 99.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला समय पर लगती है, लेकिन केवल 0.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला कभी–कभी किसी कारण से समय पर नही लग पाती है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 79 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में समय–समय पर अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक समय पर होती है, लेकिन केवल 21 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक समय पर नही हो पाती है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि केवल 11 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक शाला से जल्दी चले जाते है, लेकिन 89 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनके शिक्षक शाला से समय पर ही जाते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 90.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षण कार्य समय पर पूरा हो जाता है। लेकिन9.4 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में शिक्षण कार्य समय पर पूर्ण नही हो पाता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 99 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शाला के शिक्षक कक्षा में समय पर आ जाते है, लेकिन 01 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक कक्षा में समय पर नही आ पाते है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 98.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे भोजन समय पर मिलता है, लेकिन 01.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन समय पर नही मिल पाता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 98.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन ताजा होता है, लेकिन 01.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन कभी–कभी ताजा नही मिलता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 094 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन उन्हें अच्छा लगता है,लेकिन 006 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन उन्हें अच्छा नही लगता है।

- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 04.6 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन रोज एक जैसा बनता है, लेकिन 95.4
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 89 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मिलने वाला भोजन पौष्टिक होता है, लेकिन केवल 11 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन पौष्टिक नही होता है।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 89.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मध्यान्ह भोजन साफ–सुथरे बर्तन में करवाते हैं। लेकिन 10.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं मे मध्यान्ह भोजन स्वयं को एक बार और बर्तन धोकर करना पढ़ता हैं। लेकीन 77.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक उनके साथ भोजन नही करते हैं।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 22.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक कभी–कभी उनके साथ भोजन करते हैं। लेकीन 77.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं के शिक्षक उनके साथ भोजन नही करते हैं।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 66.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं भोजन के बाद उनकी थाली वे स्वयं धोते हैं। लेकिन 33.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं भोजन के बाद उनकी थाली वे स्वयं नही धोते हैं।
- इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 13.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में मध्यान्ह भोजन केवल एक बार परोसा जाता है, लेकिन 86.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में मध्यान्ह भोजन एक से अधिक बार परोसा जाता है।

इस विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, कि 98.3 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पानी की उचित व्यवस्था है, लेकिन 1.7 प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में पानी की उचित व्यवस्था नही है।

प्रतिशत छात्रों की राय के अनुसार उनकी शालाओं में भोजन एक जैसा नही बनता है।

सन्दर्भः–

1. अवस्थी, राकेश (2006); स्कूल चले हम अभियान 2005 का प्राथमिक स्तर पर प्रभाव का अध्ययन (टीकमगढ जिले के संदर्भ में)– एम.एड. लघु शोधप्रबंध सर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर।
2. भटनागर, सुरेश; भारतीय शिक्षा एवं उसकी समस्याएँ इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस मेरठ।
3. जोशी, अल्पना (2004); प्रारंभिक शिक्षा के लोक व्यापीकरण में 'पालक–शिक्षक संघ'' की भूमिका का अध्ययन करना (खण्डवा विकासखण्ड के संदर्भ में) एम.एड. लघु शोध प्रबंध देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।
4. माथुर, एस.एस. शिक्षा मनोविज्ञान विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
5. पलाश मार्च–अप्रेल–मई 1994; राज्य शिक्षक प्रशिक्षण मण्डल म.प्र. द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका
6. पाठक, पी.डी. (1995); भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
7. शर्मा, वन्दना (2006); विगत पांच वर्षो की तुलना में वर्ष 2004–05 के जिला प्राथमिक बोर्ड परीक्षा के परिणाम प्रभावित होने के कारणों का अध्ययन(खण्डवा विकास खण्ड के संदर्भ में) एम.एड. लघु शोध प्रबंध देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर।
8. श्रीवास्तव, सपना (1998); मध्य प्रदेश में सत प्रतिशत साक्षरता के लिये प्राथमिक स्तर पर शिक्षा में अपव्यय व अवरोध के कारणों का निदानात्मक अध्ययन पी.एच.डी. उपाधि हेतु शोध प्रबंध, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर।
9. सिंह आर. (2001); ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की शैक्षणिक कार्यदशाओं का समाज शास्त्रीय अध्ययन, पी.एच.डी. डॉ बी. आरअम्बेडकर विश्वविद्यालय।